



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 5, 1991/पौष 15, 1912
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 5, 1991/PAUSA 15, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1990

का. नि.घा. 251:—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि जनरल आफिसर कर्माईंग-इन-चोफ, मध्य कमान, द्वारा श्री नवीन चन्द्र जोशी, अधिशासी मजिस्ट्रेट का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के फलस्वरूप, छावनी बोर्ड, लैंसडाउन में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फार्ल सं.—19/45/लैंसडाउन/सी/डीई/90/5134/डी (क्यू एण्ड सी)]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 26th November, 1990

S.R.O. 251.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Lansdowne by reason of the acceptance by the General Officer Commanding-in-Chief, Central Command of the resignation of Shri Naveen Chandra Joshi, Executive Magistrate.

[F. No. 19/45/Lansdowne/C/DE/90/5134/D(Q&C)]

का. नि.घा. 252:—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण से केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि जिम्मा मजिस्ट्रेट, बोर्ड गढ़वाल ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 3 के खण्ड (ख) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री विनोद कुमार यदुवंशी, अधिशासी मजिस्ट्रेट को छावनी बोर्ड, लैंसडाउन का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनोनयन श्री नवीन चन्द्र जोशी, अधिशासी मजिस्ट्रेट के स्थान पर किया गया है जिसका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फार्ल सं. 19/45/लैंसडाउन/सी/डीई/90/5134-ए/डी(क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 252.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Vinod Kumar Yaduvanshi, Executive Magistrate has been nominated as a member of the Cantonment Board, Lansdowne, by the District Magistrate Pauri Garhwal, in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-section (3) of section 13 of that act vice Shri Naveen Chandra Joshi, Executive Magistrate, whose resignation has been accepted.

[F. No. 19/45/Lansdowne/C/DE/90/5134-A/D(Q&C)]

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1990

का. नि.घा. 253:—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण से केन्द्रीय सरकार एतद्वारा

द्वारा अधिनूचित करत है कि जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान द्वारा कर्नल एस. के. तांगरी का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, जबलपुर में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फाइल नं. 19/2/जबलपुर/सी/डी ई/90/3410/डी (व्य एण्ड सी)]

New Delhi, the 5th December, 1990

S.R.O. 253.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Jabalpur by reason of the acceptance by the General Officer Commanding-in-Chief, Central Command of the resignation of Col. S. K. Tangri.

[F. No. 19/2/Jabalpur/C/DE/90/5410/D(Q&C)]

का. नि. आ. 254.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिनूचित करती है कि स्टेशन कमांडर, जबलपुर ने उक्त अधिनियम, की धारा 13 की उपधारा 3 के खण्ड (ब) में प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्नल गजेन्द्र सिंह को छावनी बोर्ड, जबलपुर का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनोनयन कर्नल एस. के. तांगरी के स्थान पर किया गया है जिनका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फाइल नं. —19/2/जबलपुर/सी/डी ई/90/5410-ग/डी (व्य एण्ड सी)]

S.R.O. 254.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Col. Gajendra Singh has been nominated as a member of the Cantonment Board, Jabalpur by the Station Commander Jabalpur in exercise of the powers conferred under clause (e) of sub-section (3) of section 13 of that Act vice Col. S. K. Tangri whose resignation has been accepted.

[F. No. 19/2/Jabalpur/C/DE/90/5410-A D(Q&C)]

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1990

का. नि. आ. 255.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिनूचित करती है कि जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान द्वारा मेजर जगदेव सिंह अटवाल का त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, रानीखेत में सदस्य का एक पद रिक्त हो गया है।

[फाइल नं. —19/53/रानीखेत/सी/डी ई/90/5157/डी (व्य एण्ड सी)]

New Delhi, the 26th November, 1990

S.R.O. 255.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Ranikhet by reason of the acceptance by the General Officer Commanding-in-Chief, Central Command of the resignation of Major Jagdev Singh Atwal.

[F. No. 19/53/Ranikhet/C/DE/90/5157/D(Q&C)]

का. नि. आ. 256.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिनूचित करती है कि स्टेशन कमांडर, रानीखेत ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 3 के खण्ड (ब) में प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए मेजर ए. के. सेखरी को छावनी बोर्ड, रानीखेत का सदस्य मनोनीत किया है। यह मनोनयन मेजर जगदेव सिंह अटवाल के स्थान पर किया गया है जिनका त्यागपत्र स्वीकृत हो चुका है।

[फाइल नं. —19/53/रानीखेत/सी/डी ई/90/5157-ग/डी (व्य एण्ड सी)]

जसवंत सिंह, अवर सचिव

S.R.O. 256.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major A. K. Sekhri has been nominated as a member of the Cantonment Board, Ranikhet by the Station Commander Ranikhet in exercise of the powers conferred under clause (e) of sub-section (3) of section 13 of that Act, vice Major Jagdev Singh Atwal whose resignation has been accepted.

[F. No. 19/53/Ranikhet/C/DE/90/5157-A D(Q&C)]
JASWANT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1990

का. नि. आ. 257 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 300 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा में निजी सचिव के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा (निजी सचिव श्रेणी) नियम, 1990 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी” से इन नियमों के अधीन पदों पर नियुक्तियाँ करने के लिए केन्द्रीय सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण और अधीन) नियम, 1965 के अधीन सम्प्रदायित किया गया कोई प्राधिकारी अभिप्रेत है—

(ख) “नियत दिन” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको ये नियम प्रवृत्त होंगे।

(ग) श्रेणी “क” या श्रेणी “ख” के संबंध में “अनुमोदित सेवा” से उस श्रेणी में सेवा की वह कालावधि या वे कालावधियाँ अभिप्रेत हैं जिसमें/जिनमें उस श्रेणी में चयन के पश्चात् सेवा की गई और उसके/उनके अन्तर्गत कोई ऐसी अवधि या अवधियाँ भी हैं जिसके/जिनके दौरान किसी अधिकारी ने उस श्रेणी में कर्तव्य पद धारण किया होता, यदि वह छुट्टी पर न रहा होता अथवा अन्यथा ऐसा पद धारण करने के लिए उपलब्ध न रहा होता।

(घ) “सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा” से सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा नियम, 1970 के अधीन गठित की गई सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा अभिप्रेत है;

(ङ) “आयोग” से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(च) “पात्रता सूची” से अनुसूची 2 के अनुसार तैयार की गई सूची अभिप्रेत है;

(छ) “पात्र अधिकारी” से नियम 4 तथा नियम (2) में निर्दिष्ट कोई अधिकारी अभिप्रेत है;

(ज) “चयन के क्षेत्र” का नियम 7 के उपनियम (3) के अनुसार परिगणित शक्तियों की संख्या के तीन गुने तक विस्तार किया जाएगा, परन्तु यदि पात्र अधिकारी अपेक्षित संख्या में उपलब्ध न हों तो चयन के क्षेत्र को लिखित रूप से कारण अभिलिखित किए जाने के पश्चात् पात्र अधिकारियों की उपलब्ध संख्या तक विवक्षित कर दिया जाएगा।

(झ) “श्रेणी क या श्रेणी ख” से सशस्त्र बल मुख्यालय आधुनिक सेवा नियम, 1970 की श्रेणी क या ख अभिप्रेत है;

(ट) “अनुसूची” से इन नियमों में संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;

(ठ) “चयन समिति” से नियम 5 के अधीन गठित चयन समिति अभिप्रेत है;

- (ड) "चयन समिति" से नियम 5 के अधीन गठित चयन समिति अभिप्रेत है।
- (ड) "चयन सूची" से नियम 7 के उपनियम (4) के अनुसार तैयार की गई चयन सूची अभिप्रेत है।
- (ड) "चयन सूची वर्ष" से किसी वर्ष की 1 जनवरी से प्रारम्भ होने वाली और उस वर्ष के 31 दिसम्बर की समाप्ति होने वाली कालावधि अभिप्रेत है।

3. संरचना, प्राधिकृत संख्या और वेतनमान :

(1) निजी सचिव का पद राजपदित, अनुसूचित्वीय होगा और कन्द्रीय सिविल सेवा समूह "क" के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

(2) नियत दिन की निजी सचिव श्रेणी में पदों की प्राधिकृत संख्या और उन व्यक्तियों के नाम, जिनमें ऐसे पदों की मंजूरी दी जाती है, अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट रूप में होगी परन्तु नियत दिन के पश्चात् निजी सचिव श्रेणी में पदों की प्राधिकृत संख्या बढ़ होगी जो समय-समय कन्द्रीय सरकार द्वारा अधिधारित की जाएगी।

(3) निजी सचिव श्रेणी से सलन वेतनमान 3000-100-3500-125-4500 रूपा. होगा।

4. भर्ती की पद्धति और पात्रता :

(1) निजी सचिव श्रेणी में पदों पर भर्ती चयन समिति द्वारा उन व्यक्तियों, के जिनके नाम चयन सूची के क्षेत्र में हैं, वार्षिक गोपनीय अभिलेखों के निश्र्माण के आधार पर चयन के माध्यम से प्रोत्तति द्वारा की जाएगी।

(2) मशख बय मुख्यालय आशुपिक सेवा के ऐसे अधिकारी, जिन्होंने 8 वर्ष अनुभूति सेवा—

(1) अन्य रूप से श्रेणी 'क' में या अन्य रूप से श्रेणी 'ख' में; अधिध

(2) आपन. श्रेणी 'क' में और आपन. श्रेणी 'ख' में की है, पात्रता सूची में रखे जाने के पात्र होंगे :

परन्तु अहां किसी अधिकारी को पात्रता सूची में सम्मिलित किया गया है वहां ऐसे सभी अधिकारी भी, जो उससे छोड़ हैं, इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने आठ वर्ष अनुभूति सेवा न की हो, सूची में सम्मिलित किए जाएंगे।

5. चयन समिति का गठन.—(1) एक चयन समिति का गठन किया जाएगा जो अधिध या अधिध के ऐसे किसी अन्य सदस्य से जो उसका प्रतिनिधित्व करना हो, तथा अन्य सदस्यों से मिलकर निम्नलिखित रूप में बनेगी :—

(क) अधिध या अधिध का कोई सदस्य—अधिध

(ख) मुख प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय—सदस्य

(ग) सेना मुख्यालय, आयु सेना मुख्यालय और ना सेना मुख्यालय में से प्रत्येक का प्रतिनिध जो मेजर जनरल की प्रास्थिति में नीचे का न हो और समन्वय हो—सदस्य

(2) अधिध या अधिध प्रायोग का सदस्य चयन समिति की सभी बैठकों में अधिध होगा।

6. निजी सचिव की श्रेणी में नियुक्ति :— निजी सचिव की श्रेणी में नियुक्तियों नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी द्वारा उस क्रम में की जाएगी जिसमें अधिकारियों के नाम चयन सूची में रखे गए हैं।

7. चयन सूची तैयार करना—(1) चयन सूची तैयार करने के प्रयोजन के लिए सभी पात्र अधिकारियों के नाम अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट रीति में पात्रता सूची में रखे जाएंगे।

(2) चयन समिति की बैठक केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिधारित रिक्रियों को भरने के लिए अधिधारियों की चयन सूची तैयार करने के लिए, जैसे और जब अधिधारित हो, होगी।

(3) केन्द्रीय सरकार द्वारा भरी जाने वाली रिक्रियों की संख्या निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धान्त होंगे :—

(1) रिक्रियों को किसी वर्ष की पहली जनवरी को हो; और

(2) वे रिक्रियां जिनकी चयन सूची वाले वर्ष के दौरान उद्भूत होने की प्रत्याशा की जाए।

(4) (क) चयन समिति चयन के क्षेत्र में सम्मिलित किए गए प्रत्येक अधिधारी का समग्र रूप से श्रेणीकरण करेगी। श्रेणीकरण

(1) उत्कृष्ट (2) बहुत अच्छा (3) अच्छा (4) औसत (5) अधोम में से एक में होगा।

(ख) चयन समिति अधिधित संख्या की चयन सूची तैयार करेगी। प्रथम सूची "उत्कृष्ट" के रूप में सम्मिलित रूप से वर्गीकृत अधिकारियों में से तत्पश्चात् "बहुत अच्छा" के रूप में वर्गीकृत अधिकारियों में से और तत्पश्चात् ऐसे अधिकारियों में से तैयार हो जाएगी जो "अच्छा" के रूप में वर्गीकृत हैं। प्रत्येक प्रवर्ग के भीतर परस्पर नामों का क्रम वह होगा जिसमें नामों को तैयार की गई पात्रता सूची में रखा गया है।

टिप्पणी :—अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अधिकारियों के मामलों पर विचार करने समय चयन समिति ऐसे अनुसूचितों द्वारा मार्गदर्शित होगी, जो सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएंगे।

8. चयन सूची का बनाए रखा जाना :—(1) इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए चयन सूची में सम्मिलित किया गया कोई अधिकारी तब तक उसमें सम्मिलित रहेगा जब तक कि उसे निजी सचिव की श्रेणी में नियुक्त नहीं कर दिया जाता है।

(2) चयन सूची में सम्मिलित किए गए ऐसे अधिकारी जो निजी सचिव की श्रेणी में नियुक्त नहीं किए जा सकते हैं, अधिध जिन्हें रिक्रियों की कमी के कारण उसमें से प्रत्यावर्तित कर दिया जाता है, नियम 9 में अधिध किसी बात के होते हुए भी चयन सूची में बने रहेंगे और वे चयन सूची में उनको समन्वेषित उपयोग प्रतिपादन करेंगे।

9. चयन सूची से नाम का हटाया जाना :—निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम चयन सूची से हटा दिए जाएंगे :—

(क) निजी सचिव के रूप में नियुक्त किए गए व्यक्ति—

(ख) किसी अन्य सेवा या पद को अन्तरित किए गए व्यक्ति;

(ग) ऐसे व्यक्ति जिनकी मृत्यु हो जाती है जो सेवा निवृत्त हो जाते हैं अथवा जिन्होंने सेवाएं अन्यथा पर्यवसित कर दी जाती हैं;

(घ) (1) ऐसे व्यक्ति जो परिशीला की कालावधि के दौरान निजी सचिव की श्रेणी में स्थानापन्न हैं और जो किसी विभागीय या अधिध केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण/नियंत्रण और अपील) (नियम 1965 के अधिध कार्य-आहियों के परिणामस्वरूप वहां से प्रस्थित कर दिए जाते हैं अथवा

(2) ऐसे व्यक्ति जो परिशीला की कालावधि के दौरान या अन्त में श्रेणी में बने रहने की अधिधता के आधार पर वहां से प्रस्थित कर दिए जाते हैं अथवा

- (3) ऐसे व्यक्तियों जो अभी तक निजी सचिव की श्रेणी में परीक्षा पर नियुक्त नहीं किए गए हैं, और जो प्रायोगिक परामर्श से चयन सूची के वार्षिक पुनर्विचार पर चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के पश्चात् प्रदान अभिलेखों में प्रथम प्राचरण में प्रथम दोनों में क्षय के कारण अपेक्षित मानक से नीचे गिरे हुए पाए गए हैं।

10. विनियम.—केन्द्रीय सरकार ऐसे सभी विषयों के लिए उपबंध करने के लिए जिनके लिए उचित करना इन नियमों को प्रभावी बनाने के प्रयोजन के लिए आवश्यक या समझौता है ऐसे विनियम बना सकती है जो इन नियमों में असंगत न हों।

11. परीक्षा —(1) निजी सचिव की श्रेणी में नियुक्त किया गया प्रत्येक अधिकारी अपनी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के लिए परीक्षा पर होगा।

(2) परीक्षा की कालावधि का विस्तार किया जा सकता है किन्तु विस्तार की गई कुल परीक्षा अवधि उस दशा के विषय जहाँ संबंधित अधिकारी के विस्तृत लम्बित किसी विभागीय अथवा विधिक कार्यवाही के कारण यह आवश्यक हो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(3) परीक्षा की कालावधि के दौरान किसी अधिकारी से अपेक्षा की जा सकेगी कि वह ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करे और ऐसा परीक्षण उत्तीर्ण करे, जो केन्द्रीय सरकार द्वाारा निर्धारित करे।

12. निरर्हता :—वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिनका पति या जिनकी पत्नी जीवित है विवाह किया है या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवन रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उन पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रयोजन से छूट दे सकेगी।

13. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समझौता है जहाँ यह उचित है जो कारण हैं उन्हें लेखक करके तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

14. ग्राह्यता :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, प्राप्ति-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उचित करना अपेक्षित है।

15. निर्वचन :—जहाँ इन नियमों और उनके अधीन बनाए गए विनियमों के किसी उपबन्ध के निर्वचन के बारे में कोई शका होती है, वहाँ उस पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अन्तिम होगा।

[फा ए 34000/मुप्रम/आर-2]

विश्व कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष जनसंचार अधिकारी

अनुसूची-1

[विविध नियम 3 (2)]

क. प्राधिकृत संख्या

ख. उन सशस्त्र बल मुख्यालयों के कार्यालयों के तहत जहाँ निजी सचिव के पद प्राधिकृत हैं।

1. सेना मुख्यालय
2. वायु सेना मुख्यालय
3. नौसेना मुख्यालय

अनुसूची-2

[विविध नियम 7(1)]

पात्रता सूची तैयार करने की पद्धति

चयन सूची तैयार करने के प्रयोजन के लिए पात्रता सूची सशस्त्र बल मुख्यालय, आणुलिपिक सेवा की श्रेणी "क" में 1-1-88 के पूर्व नियमित आधार पर नियुक्त किए गए ऐसे सभी अधिकारियों के नामों को उस श्रेणी में परस्पर ज्येष्ठता के क्रम से तैयार की जाएगी और तत्पश्चात् सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा की श्रेणी "ख" में नियमित रूप से नियुक्त किए गए सभी अधिकारियों के नामों को उस श्रेणी में परस्पर ज्येष्ठता के क्रम से व्यवस्थित करके और जो नियम 4 के उप नियम (2) के अनुसार प्रोन्नति के लिए विचार किए जाने के लिए पात्र हैं, तैयार की जाएगी।

New Delhi, the 14th December, 1990

S.R.O. 257.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the manner of recruitment to the post of Private Secretary in the Armed Forces Headquarters Stenographers Service, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Private Secretary Grade) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "appointing authority" means the authority empowered under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 to make appointment to the posts under these rules;
- (b) "appointed day" means the date on which these rules shall come into force;
- (c) "approved service" in relation to Grade A or Grade B means the period or periods of service in that Grade rendered after selection to that Grade and includes any period or periods during which an officer would have held a duty post in that Grade but for his being on leave or otherwise not being available for holding such post.
- (d) "Armed Forces Headquarters Stenographer's Service" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service constituted under the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;
- (e) "Commission" means the Union Public Service Commission;
- (f) "Eligibility list" means the list prepared in accordance with Schedule II;
- (g) "eligible officer" means an officer referred to in sub-rule (2) of rule 4;

(h) The 'field of selection' shall extend to three times the number of vacancies as calculated according to sub-rule 3 of rule 7, provided that, if the required number of eligible officers are not available, the field of selection shall be restricted to the available number of eligible officers, after the reasons for the same have been recorded in writing ;

(i) "Grade A or Grade B" means the Grade A or Grade B of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970 ;

(j) "Schedule" means a Schedule attached to these rules ;

(k) "selection committee" means the Selection Committee constituted under rule 5 ;

(l) "select list" means the select list prepared in accordance with sub-rule (4) of rule 7 ;

(m) "select list year" means the period commencing from the 1st day of January of any year to the 31st day of December of that year.

3. Composition, Authorised Strength and the Scale of pay.—(1) The post of the Private Secretary shall be gazetted, ministerial and shall be classified as Central Civil Services Group 'A'.

(2) On the appointed day the authorised strength of the posts in the Private Secretary Grade and the names of officers where these posts are sanctioned shall be as specified in Schedule 1. Provided that after the appointed day the authorised strength of posts in the Private Secretary Grade shall be such as may, from time to time, be determined by the Central Government.

(3) The scale of pay attached to the Private Secretary Grade shall be Rs. 3000-100-3500-125-4500.

4. Method of recruitment and eligibility.—(1) Recruitment to the posts in the Private Secretary Grade shall be made by promotion through selection by the Selection Committee on the basis of assessment of the Annual Confidential Records of the persons whose names appear in the filed of selection list.

(2) Officers of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service who have rendered eight years of approved service—

(i) Exclusively in Grade A or exclusively in Grade B ; or

(ii) partly in Grade A and partly in Grade B, shall be eligible for being put in the eligibility list ;

Provided that where an officer has been included in the eligibility list all officers who are senior to him shall also be included in the list notwithstanding that they may not have rendered eight years of approved service.

5. Constitution of the Selection Committee.—(1) There shall be constituted a Selection Committee consisting of the Chairman or any other member of the Commission representing it and other members, as follows :—

(a) The Chairman or a Member of the Commission—
Chairman

(b) Chief Administrative Officer, Ministry of Defence—
Member

(c) A representative each of the Army Headquarters, Air Headquarters and Naval Headquarters not below the status of a Major General and equivalent—
Members.

(2) The Chairman or as the case may be the Member of the Commission shall preside at all the meetings of the Selection Committee.

6. Appointment to the Private Secretary Grade.—Appointment to the Private Secretary Grade shall be made by the appointing authority in the order in which the names of the officers appear in the select list.

7. Preparation of Select List.—(1) For the purpose of preparing the Select List, the names of all eligible officers shall be arranged in the eligibility list in the manner specified in Schedule II.

(2) The Selection Committee shall meet as and when required for preparing a select list of officers to fill the vacancies determined by the Central Government.

(3) While arriving at the number of vacancies to be filled the Central Government shall be guided by :—

(i) The vacancies as on 1st day of January of a year ; and

(ii) The vacancies anticipated to arise during the select list year.

(4) (a) The Selection Committee shall give an overall grading to each officer included in the field of selection. The grading shall be one among (i) Outstanding (ii) Very Good (iii) Good (iv) Average (v) Unfit.

(b) The Selection Committee shall draw up the Select list of the required number first from amongst officers finally classified as 'Outstanding', then from amongst those classified as 'Very Good' and thereafter from amongst those who are classified as 'Good'. The order of names inter se within each category shall be the order in which the names are arranged in the eligibility list prepared.

Note.—While considering the cases of officers belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes the Selection Committee shall be guided by such instructions as may be issued by the Government from time to time.

8. Maintenance of the select list.—(1) Subject to the provisions of these rules, an officer included in the select list shall continue to be included therein till he is appointed to the Private Secretary Grade.

(2) Officers included in the Select List who cannot be appointed to the Private Secretary Grade or, who are reverted therefrom for want of vacancies shall notwithstanding anything contained in rule 9, continue to be included in the select list and retain the seniority assigned to them in the select list.

9. Removal of name from the Select List.—The names of person of the following categories shall be removed from the Select List :—

(a) persons appointed as Private Secretary ;

(b) persons transferred to any other service or post ;

(c) persons who die, retire from service or whose services are otherwise terminated ;

(d) (i) persons officiating in Private Secretary Grade during the period of probation and who are reverted therefrom as a result of any Departmental Inquiry or proceeding under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 ; or

(ii) persons who either during or at the end of the period of probation are reverted therefrom on the ground of unfitness to continue in the Grade ; or

(iii) persons not yet appointed on probation to Private Secretary's Grade and who on an annual review of the Select List in consultation with

the Commission are found to have fallen below the required standard because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the Select List.

10. Regulations.—The Central Government may make regulations not inconsistent with these rules to provide for all matters for which provision is necessary or expedient for the purposes of giving effect to these rules.

11. Probation.—(1) Every officer appointed to the Private Secretary's Grade shall be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

(2) The period of probation may be extended but the total period of extension of the probation period shall not, save where it is necessary by reason of any departmental or legal proceedings pending against the officer, exceed one year.

(3) During the period of probation, any officer may be required to undergo such training and to pass such tests as the Central Government may prescribe.

12. Disqualification.—No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

13. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by consultation with the Union Public Service Com-

mission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

14. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of the age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

15. Interpretation.—Where a doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these rules and the regulations made thereunder the decision of the Central Government thereon shall be final.

[File No. A/34006/CAO/R-II]

V. K. THAKUR, Dy. Chief Admn. Officer

SCHEDULE I

[See rule 3(2)]

A. Authorised strength

—6

B. Names of offices of Armed Forces Headquarters where posts of Private Secretary are authorised.

- 1. Army Headquarters.
- 2. Air Headquarters.
- 3. Naval Headquarters.

SCHEDULE II

[See rule 7(1)]

Method of preparation of Eligibility List

For the purpose of preparing the Select List, the eligibility list shall be prepared by arranging the names of all officers appointed to Grade 'A' of AFHQ Stenographers' Service on regular basis before 01-01-86, in the order of inter se seniority in that grade, and thereafter the names of all officers regularly appointed to Grade 'B' of AFHQ Stenographers' Service in the order of inter se seniority in the grade and are eligible for consideration for promotion in accordance with sub-rule. (2) of rule 4.